सोशल मीडिया का पत्रकारिता पर प्रभाव -एक विस्तृत अध्ययन

पत्रकारिता एवं जनसंचार

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग)

की

एम.ए(जेएमसी)

उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु

लघुशोध –प्रबंध

सत्र (2022 -24)

शोध निर्देशक

डॉ. धीरज शुक्ला

विभागध्यक्ष

शोधार्थी

रितिक शिवहरे

Enroll. – GGV/21/00626

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Dept. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि रितिक शिवहरे ने मेरे मार्गदर्शन में "सोशल मीडिया का पत्रकारिता पर प्रभाव -एक विस्तृत अध्ययन" विषय पर अपना लघु शोध पूरा किया है। यह लघु शोध शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तत्व पर आधारित और उनका मौलिक कार्य है।इसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन के लिए प्रेषित करने की संस्तुति करता हूं।

शोध निर्देशक

27/09/2024

दिनांक -

स्थान -बिलासपुर

डॉ धीरज शुक्ला

विभागाध्यक्ष

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग बिलासपुर (छःग)

विषय सूची

अध्याय 1 page no -8-14

प्रस्तावना ....

सोशल मीडिया का उदय..

फेक न्यूज़ और पत्रकारिता पर इसका प्रभाव....................................

सोशल मीडिया का व्यावसायिक मॉडल और पत्रकारिता.................

नागरिक पत्रकारिता और सोशल मीडिया ....

शोध कथन...

शोध प्रश्न...

अध्याय 2 page no – 15-19

साहित्य सर्वेक्षण ....

सोशल मीडिया और पत्रकारिता नागरिक पत्रकारिता ....

व्यावसायिक मॉडल और पत्रकारिता..

फेक न्यूज़ और पत्रकारिता ....

ज्ञान रिक्तता...

अध्याय 3 page no 20-22

हाइपोथेसिस ....

अध्याय 4

page no 23-27

शोध पद्धति ....

शोध दृष्टिकोण..

गुणात्मक दृष्टिकोण...

मात्रात्मक दृष्टिकोण...

सर्वे...

प्रदाताओं के संग्रह की प्रक्रिया ....

प्रदाताओं का विश्लेषण ....

अध्याय 5 विश्लेषण page no 28-54

प्रदाताओं की व्याख्या विवेचना और विश्लेषण ....

पाई चार्ट द्वारा डाटा का दृश्यात्मक प्रस्तुतीकरण...............

पाई चार्ट द्वारा डाटा का विश्लेषण प्रवृत्ति और निष्कर्षो की पहचान ....

साहित्य समीक्षा के लिए थेमेटिक विश्लेषण ....

page no- 55-56

अध्याय 6

निष्कर्ष ....

page no 57-=61

अध्याय 7

निष्कर्ष एवं सीमाएं...

शोध की सीमाएं ………………………………………………………………………

सुझाव …………………………………………………………………………………

संदर्भ ग्रंथ सूची (reference)…………………………………………………… Page no 62

परिशिष्ट ………………………………………………………………………………page no 63- 67

अध्याय -1

1.1 प्रस्तावना (introduction)

सोशल मीडिया: सोशल मीडिया ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकें हैं जो लोगों को सूचना, विचार, व्यक्तिगत संदेश और अन्य सामग्री को ऑनलाइन साझा करने और आदान-प्रदान करने की अनुमति देती हैं। इसमें वेबसाइटें और एप्लिकेशन शामिल हैं जो उपयोगकर्ताओं को नेटवर्क बनाने, संवाद करने और सामग्री बनाने की सुविधा प्रदान करती हैं।

पत्रकारिता: पत्रकारिता समाचार और सूचना एकत्र करने, सत्यापित करने, विश्लेषण करने और प्रसारित करने की प्रक्रिया है। यह एक व्यवसाय और गतिविधि है जिसका उद्देश्य जनता को वर्तमान घटनाओं, मुद्दों और रुझानों के बारे में सटीक, निष्पक्ष और समय पर जानकारी प्रदान करना है।

पत्रकारिता और सोशल मीडिया के संबंध को समझने के लिए, हमें दोनों के विकास और उनके संगम की यात्रा पर नज़र डालनी होगी।

1. पत्रकारिता का विकास: पत्रकारिता का इतिहास सदियों पुराना है। 15वीं शताब्दी में छापाखाने के आविष्कार के साथ, समाचार पत्रों का युग शुरू हुआ। 19वीं और 20वीं शताब्दी में रेडियो और टेलीविजन के आगमन ने समाचार प्रसारण को नए आयाम दिए। 1990 के दशक में इंटरनेट के व्यापक प्रसार ने डिजिटल पत्रकारिता का मार्ग प्रशस्त किया (Briggs & Burke, 2009)[1]।
2. सोशल मीडिया का उदय: 21वीं सदी की शुरुआत में, सोशल नेटवर्किंग साइटों जैसे MySpace (2003) और Facebook (2004) ने अपनी शुरुआत की। 2006 में Twitter का लॉन्च सोशल मीडिया के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने तत्काल संदेश और माइक्रोब्लॉगिंग को लोकप्रिय बनाया (Boyd & Ellison, 2007)[2]।
3. पत्रकारिता और सोशल मीडिया का संगम: 2000 के दशक के मध्य से, पत्रकार और समाचार संगठन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने लगे। 2009 में, जब इरान में चुनाव विरोधी प्रदर्शन हुए, Twitter ने एक महत्वपूर्ण समाचार स्रोत के रूप में खुद को स्थापित किया। यह घटना "Twitter क्रांति" के रूप में जानी जाती है (Morozov, 2009)[3]।